

बाजे शहनाई ( १२५ )

हमारे अंगना बाजे हो बाजे शहनाई हमारे अंगना।  
करके सोलह श्रंगार आई मीरपुर नारि  
लाई लई मंगल थार लई॥

फूले है दिल में बाप महतारी  
फूले मीरपुर के सब नर नारी  
देव करे जैकार डालें फूलों के हार  
गाई गाई मंगल धुनि गाई॥

अगघेश्वर की आज्ञा पाई स्वामिनी जे की सहिचरि आई  
लाई भक्ति भण्डार छाई जग में बहार  
पाई पाई अमड़ि निधि पाई॥

सतिसंग सभा के भाग भले हैं सन्त शिरोमणि साई मिले  
हैं

मची कथा हुबकार जंहि में गुणनि गुलज़ार  
छाई छाई अमर खुशी छाई॥

मैगसि मैया मौजूं माणीं सत्गुरु सचिड़ो थींदुइ साणीं  
करे महिर अपार दिनो भक्ति भण्डार  
साई साई जीओ सदां साई॥